राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

'आयुष्मान भारत –प्रधानमंत्री जन आयोग्य योजना' स्वतंत्र भारत की एक ऐतिहासिक और अनूठी पहल–राज्यपाल

पटना, 23 सितम्बर 2018

''बिहार सहित पूरे देश की जनता को आज इतनी बड़ी लाभकारी योजना का तोहफा देने के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्र सरकार की प्रशंसा की जानी चाहिए। यह भारतीय इतिहास में सचमुच एक इतनी बड़ी घटना है, जब समाज के वैसे सभी निर्धन लोग, जो गंभीर रोगों से ग्रसित होकर अपना इलाज नही करा पाते और असमय मौत के शिकार बन जाते हैं, उनकी प्राण–रक्षा इस योजना के जरिये हो सकेगी।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने स्थानीय ज्ञान भवन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित ''आयुष्मान भारत –प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना'' के बिहार में आयोजित 'शुभारंभ –समारोह' को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

कार्यक्रम में बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस योजना से बिहार के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र मिलाकर लगभग 01 करोड़ 08 लाख 65 हजार परिवारों के सभी लोग लाभान्वित होंगे। इन परिवारों को 05 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य–सुरक्षा का लाभ गंभीर बीमारियों के ईलाज के लिए प्रदान किया जायेगा। इनमें से अधिकतर परिवार ऐसे होंगे, जिन्होंने आज तक कभी 05 लाख रूपये नहीं देखे होंगे।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि बिहार की जनता की तरफ से, मैं भारत सरकार की भूरि–भूरि प्रशंसा करता हूँ, जिसने न केवल बिहार, बल्कि सारे देश में गरीबी की सीमा में आने वाले हर व्यक्ति को **''जीवेम् शरदः शतम्''** का वरदान दे दिया है। आज इस नयी महत्त्वाकांक्षी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना –'आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' –के माध्यम से पूरे भारत के 10 करोड़ लाभार्थी परिवारों को प्रति परिवार प्रतिवर्ष 05 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य–सुरक्षा का लाभ दिया जायेगा। लाभार्थी परिवारों का चयन सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के आधार पर किया गया है तथा इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि समाज के गरीब, निर्बल और वंचित समुदाय को इस योजना का पूरा लाभ मिल सके। राज्यपाल ने कहा कि यह गौरव की बात है कि शताब्दियों से वंचित वर्ग के लिए वर्तमान भारत सरकार द्वारा एक साथ इतनी सारी योजनाएँ प्रारंभ की गई हैं, ताकि हर व्यक्ति को रहने के लिए घर हो, घर में रोशनी हो, 'उज्ज्वला योजना' के तहत उसे रसोई गैस उपलब्ध हो, पूरी तरह खाद्य–सुरक्षा मिले और अनिवार्य शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की भी पूर्ति हो सके। आज भारत दुनियाँ के विकासशील देशों का अगुआ बन गया है और यह 'आयुष्मान योजना' तो 'अंत्योदय' के उत्थान के लिए संजीवनी बूटी जैसी हो गई है।

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री अपने सहयोगियों के साथ पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता सहित इस 'आयुष्मान भारत –प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के 'नर सेवा, नारायण सेवा' के लक्ष्य और सपने को साकार करेंगे। राज्य सरकार के प्रयासों और सहभागिता से जब इस योजना के परिणाम तत्काल प्रभाव से दिखने शुरू हो जायेंगे, तब गरीबों के आशीर्वाद मिलेंगे। राज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री का कुशल मार्ग–दर्शन और सहयोग तथा राज्य सरकार की तत्परता से निश्चय ही बिहार में यह योजना सफलतापूर्वक कार्यान्वित होगी।

आगे पृष्ठ...2 पर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने उक्त योजना को अत्यन्त उपयोगी एवं लाभकारी योजना बताया तथा कहा कि इससे गरीबों का बहुत कल्याण होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसे पूरी मुस्तैदी से लागू करेगी तथा इसका लगातार अनुश्रवण भी होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय कानून एवं न्याय तथा संचार व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने उक्त योजना को केन्द्र का एक ऐतिहासिक और कल्याणकारी निर्णय बताया। उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पूरे यूरोप से कहीं ज्यादा संख्या में गरीब लोग भारत में इस योजना से लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे, ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री रामकृपाल यादव, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान परिषद् के सभापति श्री हारूण रशीद एवं बिहार के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय आदि ने भी अपने विचार रखे। स्वागत–भाषण स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री संजय कुमार ने किया।

कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने इस योजना के लाभुकों के बीच 'गोल्डेन रिकॉर्ड' का भी वितरण किया।

ज्ञातव्य है कि 'आयुष्मान भारत –प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड राज्य की राजधानी राँची में किया है। प्रधानमंत्री द्वारा इस योजना के 'राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम' में दिए गए संभाषण को पटना के 'शुभारंभ–कार्यक्रम' में भी सामूहिक रूप से सुना गया।

.....